डीएवीवी का लाइफ साइंस विभाग सिर्फ मालवा में ही पाए जाने वाले प्लांट की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा, नैक की टीम दे गई थी टास्क

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी का लाइफ साइंस विभाग ऐसे पौधों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा जो सिर्फ मालवा में पाए जाते हैं। इसके लिए प्रबंधन जल्द ही छात्रों और फैकल्टी की टीम बनाएगा। टीम मालवा के हर जिले में पहुंचकर रिसर्च करेगी। खासकर ग्रामीण और पहाड़ी इलाकों में जाएगी। जंगल जैसे घने क्षेत्रों में टीम पहुंचेगी। इस दौरान ऐसे पौधों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी जो पूरे देश में सिर्फ मालवा में ही पाए जाते हैं या फिर ऐसे पौधे जो विलुप्त प्रजाति के हैं, लेकिन मालवा में उनकी संख्या अच्छी-खासी है।

दरअसल, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने 21 से 23 नवंबर तक यूनिवर्सिटी का निरीक्षण किया था। टीम ने डीएवीवी प्रशासन को सुझाव दिया था कि उसे मालवा में पाए जाने वाले प्लांट्स की पूरी रिपोर्ट तैयार करना चाहिए। यह पर्यावरण की दृष्टि से अहम है। इसी के बाद लाइफ साइंस विभाग ने इस पर अमल शुरू किया। विभागाध्यक्ष डॉ. आनंदकर का कहना है कि जल्द प्लांट्स की जानकारी रखने वाले छात्रों की टीम बनेगी। हम मालवा में ही पाए जाने वाले हर प्रजाति के पौधों की विस्तृत रिपोर्ट बनाएंगे। इनकी खासियतें भी शामिल करेंगे। फलदार, औषधीय और छायादार सहित हर किस्म के पौधों की अलग-अलग जानकारी जुटाई जाएगी।

पौधे क्यों विलुप्त हो रहे, कैसे बचाएं, होगा शोध

- सबसे पहले ऐसे स्थान चिह्नित किए जाएंगे, जहां ऐसे पौधे पाए जाते हैं जो खास तौर मालवा में ही होते हैं।
- तीन से चार अलग-अलग टीमें बनाई जाएंगी जो इन क्षेत्रों में जाएंगी।
- हर पौधे की एक-एक जानकारी का रिपोर्ट में तैयार लिखी जाएगी। फोटो भी लिए जाएंगे।
- मालवा के विलुप्त होती प्रजाति के पौधे और उनकी खासियतों का भी जिक्र होगा।
- पौधे क्यों विलुप्त हो रहे हैं, उन्हें कैसे बचाया जाए और इन पर भविष्य में क्या रिसर्च हो सकती है, यह सारा अध्ययन किया जाएगा।